MASTER OF LAWS I SEMESTER EXAMINATION 2010-11

Course Code: LLM101 **Paper ID: 0211109**

Judicial Process
(न्यायिक प्रकिया)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: Attempt six questions in all. Q. No. 1 is compulsory.
नोटः कुल छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या एक अनिवार्य है।

1. Write short notes on any **five** of the following (limit your answer in 50 words). (3x5=15)
निम्नलिखित किन्हीं पॉच की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए। तथा उत्तर पचास शब्दो से अधिक नहीं होना चाहिए।
   a) Appointment of Judges in Supreme Court.
   सुप्रीम कोर्ट में न्यायधीशों की नियुक्ति ।
   b) Judicial Creativity
   न्यायिक सकियता।
   c) Law as an Instrument of Social Change
   विधि सामाजिक परिवर्तन के माध्यम के रूप में।
   d) Due process of law
   विधि की सम्यक् प्रकिया।
   e) Interpretation of statutes as a method of judicial law making
   न्यायिक विधि निर्माण की प्रकिया के रूप में कानून का निवर्चन।
   f) The concept of judicial process
   न्यायिक प्रकिया की अवधारणा।
   g) The legislative intent
   विधायी आशय।
   h) The concept of justice in the Western thought.
   पश्चिमी विचारधारा के अनुसार न्याय की अवधारणा।

2. Explain the concept of justice in ancient India with special reference to modern Indian thought. (12)
आधुनिक भारतीय विचारधारा के विशेष सन्दर्भ में प्राचीन भारत में न्याय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

3. 'Judges must know their limits and must not try to run the government.' Do you agree with this view? Does this statement stun judicial activism or restricts it to its proper place? Discuss in detail. (12)
न्यायाधीशों को अपनी सीमा में रहना चाहिए तथा सरकार चलाने का प्रयास नही करना चाहिए। क्या आप इस मत से समर्थन करते हैं? क्या यह कथन न्यायिक सकियता को रोकने वाला है अथवा उसके उचित स्थान तक ही सीमित करता है? विस्तृत विवेचना कीजिए।

4. What do you understand by the term "Judicial Process'? How can it serve as an instrument of social ordering? Explain it in the Indian context. (12)
'न्यायिक प्रकिया से आप क्या समझते हैं? यह किस प्रकार 'सामाजिक व्यवस्था के माध्यम के रूप में कार्य करना है? भारत के सन्दर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए।

5. Discuss the role of law in the development of society. To what extent law can reform the society? Give your answer with the suitable examples. (12)
समाज के विकास में विधि की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। विधि किस सीमा तक समाज में सुधार ला सकती है। अपने उत्तर उपयुक्त उदाहरणों के सन्दर्भ में दीजिए।

6. Judicial activism certainly can not be judicial anarchism. What are the parameters of reasonable judicial activism? Elucidate. (12)
न्यायिक सकियता किसी भी दशा में न्यायिक अराजकतावाद नहीं है। उचित न्यायिक सकियता के क्या मापदण्ड है? विस्तार से बताइये।

7. Discuss the role of precedent as a tool of judicial legislation. Point out the difference between Indian and British system in this regard. (12)
न्यायिक विधान के उपकरण के रूप में पूर्वनिर्णय की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। इस सन्दर्भ में भारत एवं इंगलैण्ड की व्यवस्था के बीच अन्तर को समझाइये।

8. Write an essay on provisions and practice ensuring independence of judiciary in India. (12)
भारत के संविधान में न्यायालय की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने वउले उपबन्धों तथा उसके व्यवहार पर एक लेख लिखिए।

MASTER OF LAWS I SEMESTER EXAMINATION 2010-11

Course Code: LLM102 **Paper ID: 0211102**

Constitutionalism
(संविधानवाद)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: Attempt six questions in all. Q. No. 1 is compulsory.
नोटः कुल छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या एक अनिवार्य है।

1. Write short notes on any **five** of the following (limit your answer in 50 words). (3x5=15)
निम्नलिखित में से किन्हीं पॉच का संक्षिप्त मे व्याख्या कीजिए, तथा उत्तर पचास शब्दो से अधिक नहीं होना चाहिए।
   a) Creamy Layer
   कीमी लेयर
   b) Backward Class under Article 16(4)
   अनुच्छेद 16(4) के अन्तर्गत पिछड़ा वर्ग
   c) Judicial Reforms
   न्यायिक सुधार।
   d) Co-operative federalism
   सहकारी परिसंघ
   e) Social justice
   सामाजिक न्याय।
   f) Dalit Perspective.
   दलित परिदृश्य।
   g) Fabian Socialism
   फेबियन सोशलिज्म
   h) Sachchar Commission
   सच्चर आयोग।

2. "There is nothing more fundamental than rule of law." Prepare a balance sheet of achievements and failures of rule of law over the past 60 years since independence and discuss the role of judiciary in this regard.
''विधि के नियम से मूलभूत और कुछ नही है।'' स्वतंत्रता प्राप्ति के 60 वर्ष पश्चात विधि की सफलता एवम् असफलता की एक बैलेंस–शीट तैयार कीजिए। तथा इसके परिप्रेक्ष्य में न्याय की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

3. "The Indian federal structure has adopted merits and avoided demerits faced by other federal constitutions and it has also brought in some novel provisions which are not to be found in other federations." Comment. (12)
भारत की संघीय संरचना ने दूसरे संघीय संविधानों के गुणों को स्वीकार एवं अवगुणों को अस्वीकार किया है। इसके साथ ही कुछ नये प्रावधानों को शमिल किया है जो दूसरों में नहीं है। टिप्पणी कीजिए।

4. Comparatively discuss the patterns of federal Governments which prevails in U.S.A, Australia, Canada and India. What pattern you like most? Give reasons. (12)
यू0एस0ए0, आस्ट्रेलिया, कनाडा तथा भारत के संघीय सरकारों की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए। आप किसकी व्यवस्था को सर्वाधिक पसंद करते हैं? कारण बताइये।

5. How equality can be established among unequals? What test have been propounded by the judiciary to establish equality in India? Discuss with the help of decided cases. (12)
टसमान के बीच समानता कैसे लाई जा सकती है? न्यायिक प्रकिया के अन्तर्गत भारत में समानता लाने हेतु कौन सी परीक्षण प्रणाली विकसित की गई है। कुछ निर्णित केसों के परिप्रेक्ष्य में विवेचना कीजिए।

6. Do you agree that Supreme Court has opened a 'Pandora box' of many such rights beginning from 'Maneka Gandhi' case and has aroused expectations and aspirations, which the stats is intact not in a position to meet. Will you advocate for a check on such evolution? Examine critically. (12)
क्या आप इस मत से सहमत है कि 'मेनका गॉधी' केस के साथ उच्चतम न्यायालय ने लोगों की आकांक्षाओं एवम् आशाओं की पूर्ति हेतु ऐसा 'भानुमति का पिटारा' खोल दिया है, जो कि राज्य यथास्थिति करने में असमर्थ हैं। क्या आप इस पर रोक लगाये जाने का समर्थन करते हैं? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

7. Contrary to the wishes of the founding fathers of the constitution, the judiciary has usurupled the powers and functions of the Executive and the Parliament/State Legislatures. How can judiciary be made accountable in the crux of the problem. Point out the methods of making the judiciary accountable to the democratic norms. (12)

MASTER OF LAWS I SEMESTER EXAMINATION 2010-11

Course Code: LLM103 **Paper ID: 0211141**

Legal Education and Research Methodology

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: Attempt six questions in all. Q. No. 1 is compulsory.

1. Write short notes on any **five** of the following (limit your answer in 50 words). (3x5=15)
   a) Emperical Research in Law
   b) Problem of Evaluation
   c) Research Design
   d) Census Method
   e) Case method of teaching
   f) Curriculum of LLB
   g) Formulation of Research Problem
   h) Discussion Method

2. What are the objectives of Legal Education? Discuss. (12)

3. What is Lecture Method? Point out its merits and demerits. (12)

4. Is the Examination System of LLB is appropriate? Will you evaluate it in modern perspective? (12)

5. What are the aims and objectives of Legal Research? Point out the advantages and disadvantages of Doctrinal Research Methodology. (12)

6. What are the contents and characteristics of Hypothesis? (12)

7. Write short notes on the following: (2x6=12)
   a) Report Writing
   b) Survey Method

8. What is Sampling? Discuss the merits and demerits of Sampling Method of Research. (12)

MASTER OF LAWS I SEMESTER EXAMINATION 2010-11

Course Code: LLM104 **Paper ID: 0211112**

Law of Social Transformation in India
(भारत में सामाजिक न्याय परिवर्तन)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: Attempt six questions in all. Q. No. 1 is compulsory.
नोटः कुल छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या एक अनिवार्य है।

1. Write short notes on any **five** of the following (limit your answer in 50 words). (3x5=15)
निम्नलिखित किन्हीं पॉच की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए। तथा उत्तर पचास शब्दो से अधिक नहीं होना चाहिए।
   a) Law as an instrument of social change
   विधि सामाजिक परिवर्तन के एक साधन के रूप में।
   b) Interaction between law and social sciences.
   न्याय एवं सामाजिक विज्ञान के बीच अन्तर्सम्बन्ध।
   c) Law as a process of social transformation.
   विधि सामाजिक न्याय परिवर्तन के रूप में।
   d) Child labour as an economic problem
   बालश्रम एक आर्थिक समस्या के रूप में।
   e) Modernization as a value
   जीवन मूल्य।
   f) Modernization and Law.
   आधुनिकता एवं विधि।
   g) Role of Law in Society
   समाज में विधि का महत्व।
   h) Social Reforms and Law.
   विधि तथा सामाजिक सुधार।

2. It is generally presumed that the law is the mirror of the society, but in India, law is being used on a large scale as an instrument to change the society. Is it feasible? Discuss and illustrate by suitable examples. (12)
यह सामान्य धारणा है कि विधि सामाज का दर्पण है, परन्तु भारत में, व्यापक स्तर पर विधि को सामाज को परिवर्तित करने के एक उपकरण के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। क्या यह युक्ति संगत है? विवेचना कीजिए और उपयुक्त उदाहरणों द्वारा समझाइये।

3. What are the main issues involved is the controversy regarding relationship between law and morals? How far can the law be used to enforce morality? Comment. (12)
विधि एवं नैतिकता के सम्बन्ध पर विवाद से जुड़े मुख्य विषय क्या है? नैतिकता के प्रवर्तन मे विधि का उपयोग कहॉ तक किया जा सकता है? व्याख्या कीजिए।

4. "Law is the body of knowledge and experience with the help of which a large part of social engineering is carried out in the society."
Discuss the above statement of Prof. Pound reference to social transformation in India. (12)
''विधि उस ज्ञान एवं अनुभव का समूह है जिसकी सहायता से समाज में अधिकांश सामाजिक अभियन्त्रण किया जाता है।'' भारत में सामाजिक परिवर्तन के सन्दर्भ में प्रोफेसर पाउण्ड के उक्त कथन की विवेचना कीजिए।

5. "Acceptance of Caste is a factor to undo past injustices." Discuss this statement in the light of case law and recommendation made by various commissions. (12)
''भूतकालीन अन्यायों को समाप्त करने के लिए जाति की स्वीकार्यता एक कारक है'' निर्णयज्ञ विधि तथा विभिन्न आयोगों की सिफारिशों के प्रकाश मे इस कथन की विवेचना कीजिए।

6. Comment on the Role of Law in welfare State. (12)
समाज कल्याणकारी राज्य में कानून की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

7. Write an essay on role of law in political reforms in India. (12)
भारत मे राजनैतिक सुधारों की दिशा में कानून की भूमिका पर एक लेख लिखिए।

8. Comment on the socialistic approach to law and justice in India. How far the socialistic ideology has influenced the framing of the directive principles of the state policy in the Indian constitution? (12)
भारत में विधि तथा न्याय की समाजशास्त्रीय विचार धारा की समीक्षा कीजिए। भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों को समाविष्ट करने में समाजवादी विचारधारा कहॉ तक प्रभावित किया है?